महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय, वर्धा

(संसद द्वारा पारित अधिनियम 1997, क्रमांक 3 के अंतर्गत स्थापित केंद्रीय विश्वविद्यालय)

जनसंपर्क कार्यालय

PUBLIC RELATIONS OFFICE

हिंदी विवि के केंद्रीय पुस्तकालय में मनायी राहुल सांकृत्यायन की जयंती

वर्धा, 09 अप्रैल 2024 : महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय के महापंडित राहुल सांकृत्यायन केंद्रीय पुस्तकालय में मंगलवार 09 अप्रैल को राहुल सांकृत्यायन की जयंती मनायी गयी। इस दौरान पुस्तकालय परिसर में स्थापित राहुल सांकृत्यायन की

प्रतिमा पर पुष्पमाला अर्पित कर अभिवादन किया गया। हिंदी के मशहूर साहित्यकार राहुल सांकृत्यायन का नाम केदार पांडेय था। उनका जन्म उत्तर प्रदेश के आजमगढ़ जिले के पन्दहा ग्राम में 9 अप्रैल, 1893 को हुआ था। हिंदी साहित्य में विशेष योगदान के लिए उन्हें महापंडित की उपाधि प्रदान की गई थी। उन्हें हिंदी, संस्कृत, पाली, भोजपुरी, उर्दू, पर्शियन, अरेबिक, तमिल, कन्नड़, तिब्बती, सिंहली और रशियन भाषाओं सहित 36 भाषाओं की जानकारी थी।

साहित्य अकादमी पुरस्कार, पद्मभूषण, त्रिपिटिकाचार्य, महापंडित उपाधि प्राप्त राहुल सांकृत्यायन ने अपने जीवनकाल में धर्म, दर्शन, लोकसाहित्य, यात्रा साहित्य, इतिहास, राजनीति, जीवनी कोष आदि विषयों पर कृतियों की रचना कर प्राचीन ग्रंथों का संपादन किया। वोल्गा से गंगा, जय यौद्धेय, भागो नहीं दुनियां को बदलो, मधुर स्वप्न, राजस्थान निवास, विस्मृत यात्री, दिवोदास,

पोस्ट हिंदी विश्वविद्यालय, गांधी हिल्स, वर्धा-442001 (महाराष्ट्र), भारत
ई-मेल/E-mail: mgahvpro@gmail.com, वेबसाइट/Website: www.hindivishwa.org
दूरभाष : +91-7152-252651 मोबाइल/Mobile : 9960562305

मेरी जीवन यात्रा, सरदार पृथ्वीसिंह, नए भारत के नए नेता, बचपन की स्मृतियां, अतीत से वर्तमान, स्तालिन, लेनिन, मेरे असहयोग के साथी, किन्नर देश की ओर, चीन में क्या देखा, मेरी तिब्बत यात्रा, घुमक्कड़ शास्त्र आदि उनकी प्रमुख कृतियां हैं।

इस अवसर पर पुस्तकालयाध्यक्ष डॉ. मैत्रेयी घोष, गुंजन जैन, आनंद कुमार विश्वकर्मा, सुनील लांडे आदि सहित पुस्तकालय के कर्मचारी एवं विद्यार्थी उपस्थित थे।

हिंदी विश्वविद्यालयाच्या केंद्रीय ग्रंथालयात राहुल सांकृत्यायन यांची जयंतीसाजरी

वर्धा, 09 एप्रिल 2024: महात्मा गांधी आंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालयाच्या महापंडित राहुल सांकृत्यायन केंद्रीय ग्रंथालयात मंगळवार 09 एप्रिल रोजी राहुल सांकृत्यायन यांची जयंती साजरी करण्यात आली. यावेळी वाचनालय परिसरात स्थापित राहुल सांकृत्यायन यांच्या प्रतिमेला पुष्पहार अर्पण करून अभिवादन करण्यात आले. प्रसिद्ध हिंदी साहित्यिक राहुल सांकृत्यायन यांचे मूळ नाव केदार पांडे होते. त्यांचा जन्म 9 एप्रिल 1893 रोजी उत्तर प्रदेशातील आझमगड जिल्ह्यातील पन्दहा गावात झाला. हिंदी साहित्यातील विशेष योगदानाबद्दल त्यांना महापंडित ही पदवी देण्यात आली होती. त्यांना हिंदी, संस्कृत, पाली, भोजपूरी, उर्दू, पर्शियन, अरबी, तमिळ, कन्नड, तिबेटी, सिंहली आणि रशियन अशा ३६ भाषा अवगत होत्या.

साहित्य अकादमी पुरस्कार, पद्मभूषण, त्रिपिटिकाचार्य, महापंडित या पदव्या प्राप्त राहुल सांकृत्यायन यांनी आपल्या हयातीत धर्म, तत्त्वज्ञान, लोककथा, प्रवासी साहित्य, इतिहास, राजकारण, चरित्रात्मक ग्रंथ इत्यादी विषयांवर रचना केल्या आणि प्राचीन ग्रंथांचे संपादन केले. वोल्गा से गंगा, जय यौद्धेय, भागो नहीं दुनियां को बदलो, मधुर स्वप्न, राजस्थान निवास, विस्मृत यात्री, दिवोदास, मेरी जीवन यात्रा, सरदार पृथ्वीसिंह, नए भारत के नए नेता, बचपन की स्मृतियां, अतीत से वर्तमान, स्तालिन, लेनिन, मेरे असहयोग के साथी, किन्नर देश की ओर, चीन में क्या देखा, मेरी तिब्बत यात्रा, घुमक्कड़ शास्त्र इत्यादी त्यांचे प्रमुख ग्रंथ आहेत.

या प्रसंगी पुस्तकालय अध्यक्ष डॉ. मैत्रेयी घोष, गुंजन जैन, आनंद कुमार विश्वकर्मा, सुनील लांडे यांच्या सह पुस्तकालयातील कर्मचारी आणि विद्यार्थी उपस्थित होते.